

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्

दिनांक 1 जनवरी, 2008 को सम्पन्न हुई कार्यकारी समिति की
46वीं बैठक का कार्य-विवरण।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् की कार्यकारी समिति की 46वीं बैठक दिनांक 01.01.08 को डॉ. महेश शर्मा, अध्यक्ष कार्यकारी समिति की अध्यक्षता में विज्ञान भवन के एकजीक्यूटिव चैम्बर में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित उपस्थित हुए:-

- डॉ. महेश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष एवं महानिदेशक।
- डॉ. अजय नारंग, अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती।
- श्री टी.जी. मेनन
- डॉ. विमल कुमार शर्मा, संयुक्त संचालक (प्रशा.) - संयोजक

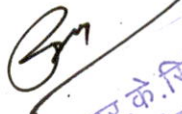
अन्य उपस्थित अधिकारी:

- डॉ. नरेन्द्र नाथ मेहरोत्रा, कार्यकारी संचालक
- डॉ. एन.पी.शुक्ला, परियोजना संचालक
- डॉ. पी.के.वर्मा, संचालक, सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र
- श्री अजंजी कुमार, उपसंचालक, वित्त एवं लेखा

अध्यक्ष, कार्यकारी समिति द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यों के स्वागत के साथ बैठक की कार्यसूची पर चर्चा आरंभ हुई।

(क) 1 कार्यकारी समिति की 45वीं बैठक का कार्यवाही विवरण।

समिति द्वारा कार्यवाही विवरण की पुष्टि की गई।


डॉ. आर.के.सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र.वि. एवं प्रौद्योग. परि. भोपाल

(क) 2 कार्यकारी समिति की 45वीं बैठक के निर्णय पर कार्यवाही रिपोर्ट।

कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। यह सुझाव आया कि परिषद् के विस्तार केन्द्रों का प्रचार संबंधित क्षेत्रों के महाविद्यालय एवं वैज्ञानिक संस्थानों में किया जावे तथा विस्तार केन्द्रों हेतु एक समिति बनायी जाए जिससे क्षेत्र में परिषद् की गतिविधियों एवं परियोजनाओं का समन्वय सुचारु रूप से हो सके।


(क) 3 कार्यकारी समिति की 45वीं बैठक के उपरांत मुख्य गतिविधियों का विवरण।

समिति की 45वीं बैठक के उपरांत परिषद् में होने वाली मुख्य गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। जिससे समिति अवगत हुई। सुझाव दिया गया कि -

- (अ) भविष्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण संलग्न किया जावे।
- (ब) मिट्टी की गुणवत्ता जाँच के संबंध में सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ सूक्ष्म जीवाणुओं की जाँच करना भी आवश्यक है।
- (स) टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर के संबंध में यह सुझाव आया कि मैनिट में स्टेप नाम से चल रही टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर का विवरण एकत्र किया जाये।
- (द) अगली बैठक में टेलि-मेडिसिन की प्रस्तुति देने का निर्णय लिया गया।

(ख) 4 भारतीय विज्ञान सम्मेलन-2007 पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।

समिति के समक्ष भारतीय विज्ञान सम्मेलन-2007 का संक्षिप्त प्रतिवेदन रखा गया। जिससे समिति अवगत हुई। समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि इस सम्मेलन से निकले निष्कर्ष एवं अनुशंसाओं का अनुवर्तन (Follow Up) आवश्यक रूप से सुनिश्चित किया जावे एवं शासन के संबंधित विभागों को इस संबंध में अवगत कराया जावे।


डॉ. आर. के. सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र.वि. एवं प्रौद्योगिकी परि. भोपाल

(ख) 5 जैव प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र (सीईबीटी)-विशेषज्ञ समूह की रिपोर्ट एवं कार्यवाही योजना।

समिति के समक्ष विशेषज्ञ समूह की रिपोर्ट एवं कार्यवाही योजना प्रस्तुत की गई। विशेषज्ञ समूह की रिपोर्ट में दर्शाए गए संबंधित विभागों के नाम में जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के जीव-विज्ञान विभाग का नाम त्रुटिवश छूट गया है, जिसको शामिल माना जाना प्रस्तावित किया गया। जिसका समिति द्वारा अनुमोदन दिया गया।

जैव प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र के कार्य हेतु परिषद् में कार्यरत 10-12 वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को जोड़ा जावे एवं बाकी स्टॉफ की पूर्ति परियोजनाओं के स्टॉफ से की जावे। समिति द्वारा यह सुझाव दिया गया कि यह कार्य अन्य संबंधित विभागों के साथ तालमेल कर किया जावे।

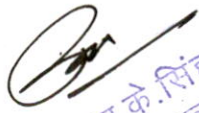
उक्त केन्द्र हेतु प्रस्तावित बजट 130 लाख के संबंध में समिति द्वारा कुल 100 लाख का अनुमोदन दिया गया एवं सुझाव दिया गया कि शेष बजट की पूर्ति जैव प्रौद्योगिकी उपयोगिता केन्द्र एवं अन्य परियोजनाओं के मद् से की जाए।

(ख) 6 म.प्र. संसाधन एटलस कार्यक्रम

समिति के समक्ष मध्यप्रदेश संसाधन एटलस एवं जिला संसाधन एटलस की प्रस्तुति दी गई। समिति द्वारा इसकी अत्यन्त प्रशंसा की गई एवं सुझाव दिया गया कि इसी गुणवत्ता का एटलस हिन्दी में भी निकाला जावे तथा बेवसाइट पर भी इसकी जानकारी दी जावे।

(ग) 7 निर्माण कार्य के संबंध में।

समिति के समक्ष निर्माण कार्य के संबंध में हुई प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई। समिति अवगत हुई।


डॉ. आर.के. सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र. वि. एवं प्रौद्यो. परि. बो.पाल

(ग) 8 परिषद् के लेखा एवं बजट।

समिति के समक्ष परिषद् का लेखा एवं बजट की प्रस्तुति की गई। समिति को अवगत कराया गया कि वर्ष 2005-06 एवं 2006-07 का अंकेक्षण का कार्य जारी है। जो कि एक-दो माह में पूर्ण हो जावेगा। तदुपरांत समिति के समक्ष उक्त दो वर्ष का अंकेक्षण लेखा रखा जावेगा। समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि वर्ष 2007-08 का अंकेक्षण कार्य भी करवाया जावे एवं एजी (AG) की रिपोर्ट एवं टिप्पणी कार्यकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की जावे।

(घ) 9 साधारण सभा (General Body) की वार्षिक बैठक।

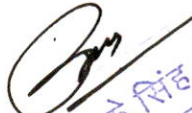
समिति के समक्ष साधारण सभा की 3 जनवरी, 2008 को होने वाली बैठक की विषय सूची प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि परिषद् में अंकेक्षण कार्य हेतु नियुक्त चार्टर्ड एकाउंटेंट को वर्ष 2007-08 हेतु अनुबंधित करने हेतु साधारण सभा से अनुमोदन लिया जावे।

9 (अ) उत्कृष्टता मिशन।

समिति के समक्ष उत्कृष्टता मिशन के अंतर्गत प्रदेश के 1000 बच्चों को विशेष रेलगाड़ी द्वारा पुणे, बैंगलोर एवं कन्याकुमारी स्थित वैज्ञानिक संस्थानों में ले जाने की कार्ययोजना प्रस्तुत की गई जिस पर समिति ने प्रसन्नता व्यक्त की। समिति के सदस्यों को उक्त रेलगाड़ी में चलने हेतु आग्रह किया गया एवं उक्त आशय का आमंत्रण समिति के सदस्यों को भेजने का निर्णय लिया गया।

9 (ब) एनएसडी।

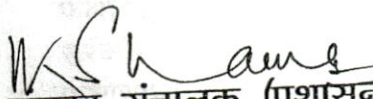
प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस राज्य के विभिन्न स्कूल, महाविद्यालय एवं संस्थाओं में मनाने हेतु परिषद् की ओर से किए जाने वाले जागृति अभियान एवं कार्ययोजना समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। समिति अवगत हुई।

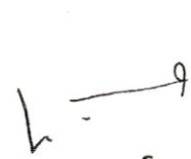

डॉ. आर. के. सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र.वि. एवं प्रौद्योगिकी परि. बो.पाल

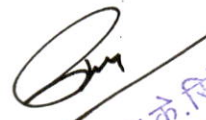
9 (स) डोंगला।

डोंगला, उज्जैन में प्रस्तावित तारा मंडल एवं वैद्यशाला के संबंध में समिति को अवगत कराया गया। समिति को यह भी अवगत कराया गया कि डोंगला में 21 जून 2008 को एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जावेगा। जिसमें देश के संबंधित प्रमुख विद्वानों को आमंत्रित किया जावेगा एवं उससे निकले निष्कर्षों पर आगामी कार्यवाही की जावेगी।

उक्त जानकारी से समिति अवगत हुई एवं सुझाव दिया कि डोंगला में तारा मंडल की स्थापना न करते हुए वैद्यशाला की स्थापना की जाए।


संयुक्त संचालक (प्रशासन)
संयोजक 08/01/08


अध्यक्ष, कार्यकारी समिति 8/1/08


डॉ. आर. के. सिंह
कार्यकारी संचालक
म.प्र. वि. एवं प्रौद्योगिकी परि. बो. म.प्र.